Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.
Date - Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-6
पाठ - अनोखी दौड़ (भाग-2)
लेखक - ' अक्षय कुमार दीक्षित

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

यह पाठ-6 'अनोखी दौड़' कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक नवतरंग भाग-6 की पृष्ठ संख्या - 43 में दिया गया है। यह पाठ आपको 25 जुलाई, 2022. को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो ! आज हम पाठ-6 'अनोखी दौड़' का अगला भाग पढ़ेंगे। इस लिए सभी बच्चे अपनी हिन्दी की पुस्तक नवतरंग भाग-6 का पृष्ठ-45 निकाल लें और अपने पास हिन्दी की एक अभ्यास पुस्तिका भी रख लें क्योंकि मैं आपको पाठ के बीच में कुछ कार्य लिखने के लिए भी दूँगी। यदि आप तैयार हैं तो मैं आपको पाठ 'अनोखी दौड़' समझाने जा रही हूँ। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे।

बच्चो ! पाठ के पिछले भाग में हमने पढ़ा कि विकास की कक्षा में एक नया विद्यार्थी अरुण आता है। अरुण का एक पैर खराब है, जिस कारण वह बैसाखियों के सहारे चलता है। विकास अरुण को अपने डेस्क पर बैठने से मना करता है, जिस कारण वह अरुण की बैसाखियाँ भी फेंक देता है। इस पर विकास को कक्षा अध्यापिका जी

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class- VI
Subject- Hindi Literature Page- 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

से डॉट भी पड़ती है।
बच्चो! अब मैं आपको आगे पाठ पढ़कर सुनाऊँगी और समझाऊँगी, जिसे सभी बच्चे मेरे साथ-साथ अपनी-अपनी पुस्तक में से देखकर पढ़ेंगे।

अरुण की कक्षा में हर हफ़्ते नया मॉनिटर चुना जाता था। एक बार अरुण की भी मॉनिटर बनने की बारी आ गई। तब तो विकास ने अरुण को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अरुण जो कहता, विकास उसका उलटा करता। अरुण कोई चीज़ जहाँ रखता, विकास उसकी जगह बदल देता। जैसे-तैसे वह हफ़्ता बीत गया।

दूसरे हफ़्ते की बात है। खेल की अध्यापिका जी कक्षा में आईं और उन्होंने कहा, "चलो बच्चो! आज हम खेल के मैदान में चलकर दौड़ का अभ्यास करेंगे।"

बच्चे यह सुनते ही खुशी से उछल पड़े। खेल के मैदान में अध्यापिका जी ने दौड़ के नियम बताए, "सभी बच्चे उस दीवार तक दौड़कर जाएँगे और वापस यहीं पर आएँगे। जो बच्चा सबसे पहले वापस आ जाएगा, वह आज का विजेता होगा। समझ गए सब?"

सब एक साथ बोले, "हाँ, मैडम।"

सब बच्चे लाइन में लग गए। तभी विकास बोला, "मैडम, अरुण से कहिए, वहीं बैठा रहे। यह कैसे दौड़ेगा? इसका तो एक पैर खराब है।"

"मैं तुमसे तेज़ दौड़ सकता हूँ।" अरुण ने कहा।

अध्यापिका जी बोली, "अगर अरुण दौड़ना चाहता है तो वह दौड़ेगा। तुम्हें क्या परेशानी है?"

विकास चुप हो गया। उसने मन ही मन सोचा, "आज इसे **मज़ा न चखा दिया** तो मेरा नाम विकास नहीं।"

"एक, दो, तीन..." बोलते ही दौड़ शुरू हो गई। कुछ बच्चे आगे निकल गए, कुछ पीछे रह गए। आस-पास खेल रहे दूसरी कक्षा के बच्चे दौड़ देखने के लिए इकट्ठे हो गए। वे तालियाँ बजा-बजाकर दौड़ने वालों का उत्साह बढ़ाने लगे। विकास और फ़रमान आगे दौड़ने वालों में से थे। विकास ने दौड़ते-दौड़ते पीछे मुड़कर देखा। अरुण उससे बहुत पीछे था। लेकिन वह अपनी दोनों बैसाखियों के सहारे कई बच्चों को पीछे छोड़ चुका था।

अब विकास सोच रहा था, "यह लड़का अपने आप को पता नहीं क्या समझता है। एक पैर खराब है, फिर भी दौड़ने की हिम्मत कर रहा है।" अचानक उसे एहसास हुआ, "नहीं, यह लड़का बहुत हिम्मतवाला है। देखो तो, कितने बच्चों को पीछे छोड़ चुका है।" यह बात दिमाग में आते ही उसने फिर पीछे मुड़कर देखा। अरुण अभी भी उससे बहुत पीछे था।

बातचीत के लिए

दौड़ से पहले विकास ने क्या सोचा था?
दर्शक बच्चे दौड़ने वालों का उत्साह कैसे बढ़ा रहे

Scanned with CamScanner

Date- Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

अब विकास और फ़रमान दीवार के पास पहुँचकर वापस लौटने के लिए मुड़ चुके थे। वापस दौड़ लगाकर वहीं पहुँचना था, जहाँ से दौड़ शुरू हुई थी। लौटते हुए विकास अरुण के पास से निकला। उसने और अरुण ने एक-दूसरे को देखा और पता नहीं क्यों, दोनों के चेहरे पर मुसकान आ

थे ?
दौड़ के समय बच्चों का शोर क्यों थम गया था ?

प्यारे बच्चो ! यहाँ तक के पाठ में हमने पढ़ा कि जब अरुण कक्षा का मॉनिटर बनता है तब विकास उसे तंग करने में कोई कसर नहीं छोड़ता वह उसके हर काम को बिगाड़ने की कोशिश करता है। फिर जब खेल अध्यापिका जी बच्चो को दौड़ का अभ्यास कराने के लिए मैदान में लेकर जाती हैं तो वहाँ पर जैसे चमत्कार ही हो जाता है। जहाँ पहले विकास को गुस्सा आता है कि अरुण पैर खराब होने के कारण कैसे दौड़ेगा वही उसे बैसाखियों के सहारे चलता देखकर वह, उसकी हिम्मत की सराहना करता है। इस प्रकार विकास के अरुण के प्रति मन के भाव बदल जाते हैं।

बच्चो ! मैंने आपको यहाँ तक पाठ समझा दिया है ! अब मैं आपसे इसके आधार पर कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न - 1. बच्चों को दौड़ का अभ्यास किस ने करवाया था ?
प्रश्न - 2. खेल के मैदान में अध्यापिका जी ने क्या नियम बताए ?
प्रश्न - 3 दौड़ से पहले विकास ने क्या सोचा ?

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date - Class- VI
Subject- Hindi Literature Page-4
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर-1. खेल अध्यापिका जी ने

उत्तर-2. सभी बच्चे उस दीवार तक दौड़ कर जाएँगे और वापिस वहीं आएँगे।

उत्तर-3. दौड़ से पहले विकास ने सोचा आज इसे मज़ा न सिखा दिया तो मेरा नाम विकास नहीं।

बच्चो! अब मैं आपको आगे पाठ पढ़कर सुनाऊँगी, सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे।

गई। अचानक एक ज़ोर की आवाज़ हुई और शोर थम गया। लौटते हुए बच्चे अभी भी दौड़ रहे थे। दौड़ते-दौड़ते विकास ने मुड़कर देखा। अरुण ज़मीन पर गिरा पड़ा था। उसे ठोकर लग गई थी। उसकी बैसाखियाँ दूर पड़ी थीं। विकास रुक गया। उसे रुका देखकर फ़रमान भी रुक गया। दोनों दौड़कर अरुण के पास गए। विकास ने देखा, अरुण की एक बैसाखी टूट गई है। दोनों ने मिलकर बैसाखी और अरुण को उठाया और उसके कपड़े झाड़े। अरुण का घुटना थोड़ा छिल गया था। "मैं यह दौड़ पूरी करना चाहता था।" उसने निराशा से कहा।

"तुम यह दौड़ ज़रूर पूरी करोगे।" विकास ने कहा। "आओ, मेरी पीठ पर बैठ जाओ।"

विकास ने अरुण को अपनी पीठ पर बैठा लिया। फ़रमान ने उसकी बैसाखियाँ उठा लीं। तीनों मिलकर दौड़ने लगे। बाकी बच्चे भी अब रुक गए थे। भीड़ तालियाँ बजा रही थी। अरुण हैरान था। विकास उसे

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 5
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

अपनी पीठ पर बैठाकर दौड़ पूरी कर रहा था। जब वह थक गया, तो फ़रमान ने अरुण को अपनी पीठ पर बैठा लिया। अन्य बच्चे भी दौड़कर पास आ गए थे। अब सब साथ-साथ दौड़ रहे थे। तब तक अन्य टीचर भी मैदान में आ गए थे। सब तालियाँ बजा रहे थे। सब बच्चों ने एक साथ दौड़ पूरी की। उस दिन की दौड़ सबने जीत ली थी।

बच्चो ! यहाँ तक के पाठ में हमने पढ़ा कि दौड़ के दौरान विकास के मन में अरुण के प्रति अच्छे भाव आने लगते हैं। तभी दौड़ते- दौड़ते अरुण ज़मीन पर गिर जाता है। उसे देखते ही विकास रुक जाता है, उसके साथ ही फ़रमान भी रुक जाता है। दोनों ने उसको उठाया उसकी बैसाखियाँ उसे उठा कर दीं तभी अरुण ने विकास की ओर देखकर कहा कि मैं यह दौड़ पूरी करना चाहता हूँ, तभी विकास ने बड़े प्यार से कहा हाँ, तुम दौड़ ज़रूर पूरी करोगे। फिर विकास और फ़रमान दोनों ने अरुण की सहायता करने की सोची। विकास ने अरुण को अपनी पीठ पर और फ़रमान ने अरुण की बैसाखियाँ उठा ली। तीनों मिलकर दौड़ने लगे। बाकी बच्चे भी रुक गए। तीनों को इकट्ठे दौड़ लगाते देखकर सभी तालियाँ बजा रहे थे। सब बच्चों ने इकट्ठे दौड़ पूरी की। इस प्रकार उस दिन दौड़ सबने जीत ली थी और विकास और अरुण अच्छे मित्र बन गए।

बच्चो ! मैंने आपको यहाँ तक पाठ समझा दिया है। अब मैं आपको इसके आधार पर कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date-   Class - VI
Subject - Hindi Literature   Page-6
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

प्रश्न -1 दौड़ लगाते हुए कौन-सा विद्यार्थी गिर गया था?
प्रश्न -2. अरुण की सहायता किसने की थी?
प्रश्न -3. उस दिन की दौड़ का विजेता कौन था?

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर -1 अरुण
उत्तर -2 विकास और फ़रमान ने
उत्तर -3. उस दिन की दौड़ के विजेता सभी थे।

बच्चो! आज हमने सारा पाठ पूरा कर लिया है। आशा है आपको यह अच्छे से समझ आ गया होगा। अब मैं आपको गृह कार्य दूँगी, जिसे सभी बच्चे अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

गृह कार्य :-

- बच्चो! आप इस पाठ के विस्तार से प्रश्न करने की कोशिश करेंगे।
- आप इस पाठ के पृष्ठ -47 पर आए शब्द-अर्थ याद करेंगे।

धन्यवाद!

Last page

Scanned with CamScanner